

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
-----------------------------------	-------------------------------------	--

न्यायालय- अनुमण्डल दण्डाधिकारी, अरवल ।


वाद सं-  $\frac{348}{106/13}$  / 2012 धारा- 133 द 0 प्र 0 सं

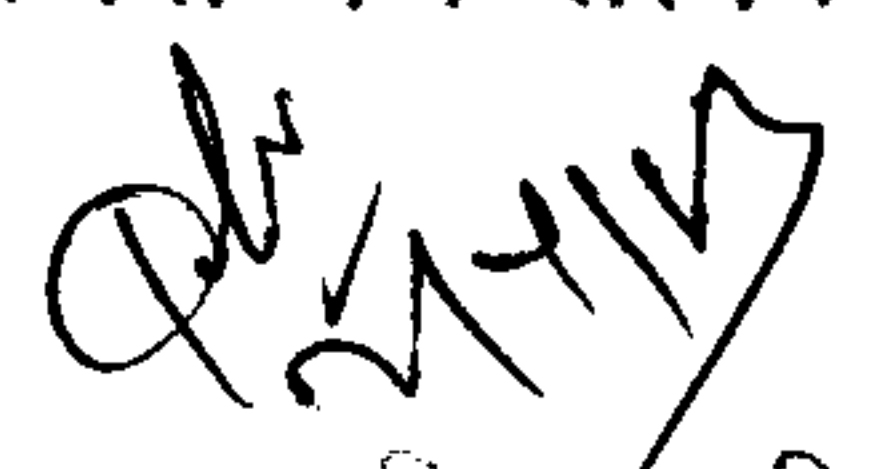
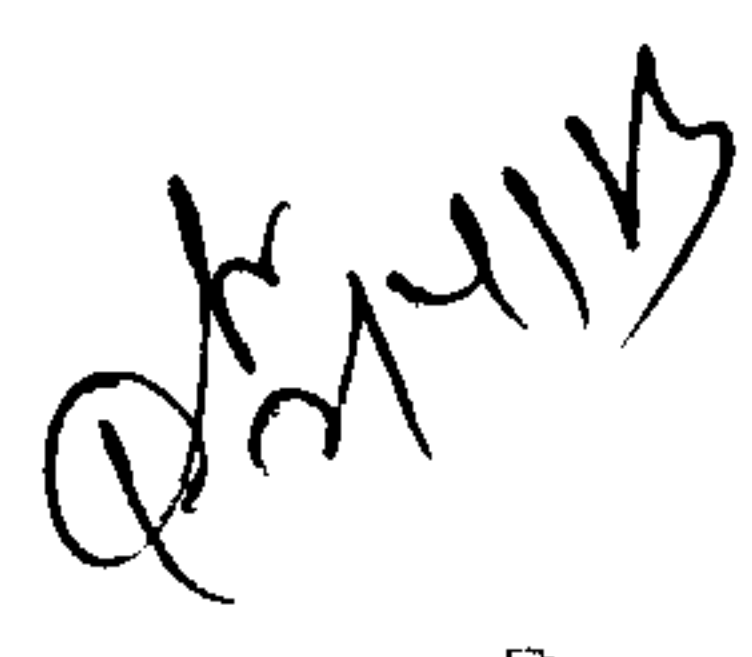
कौशल्या देवी बनाम प्रयाग साव, वगैरह

02/04/ 13.

आ दे श

उभय पक्ष को सुना । प्रथम पक्ष के द्वारा दाखिल आवेदन के आलोक में सूचना निर्गत करते हुए द्वितीय पक्ष से स्पष्टीकरण की मांग की गई। एवं अंचल अधिकारी, लुधिया से जांच प्रतिवेदन की भी मांग की गई। प्रथम पक्ष अपने आवेदन में द्वितीय पक्ष पर आरोप लगाये हैं कि छाता सं- 280, प्लॉट सं- 1281 एवं 1282, रकबा- लगभग एक कठ्ठा में आवेदक का मकान निर्मित है एवं द्वितीय पक्ष मकान के स्टे दक्षिण- पूरब छाता नं-280, प्लॉट नं-1281 में विवक्षीय को रकबा-  $2\frac{1}{2}$  धुर लगभग की भूमि विहस्ता में प्राप्त है जिस पर वे आटा चक्की एवं धान कूने की मशीन लगा दिये हैं एवं डीजल

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
	<p style="text-align: center;">-2-</p> <p>वांछित इंजन से धान की कुटाई तथा आटा की पीसाई इत्यादि का कार्य करते हैं जिससे मेरा ॥ प्रथम पक्ष ॥ का मकान का दीवार क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में है एवं डीजल मशीन से निकलने वाले धुआँ से विषैले गैस से वातावरण को प्रदूषित कर रहा है ।</p> <p>द्वितीय पक्ष अपने आवेदन में कहते हैं कि उक्त वाद की कार्यवाही हेतु पब्लिक लैण्ड होना पडली शर्त है ,लेकिन प्रथम पक्ष अपने नीची भूमि पर कार्यवाही प्रारम्भ हेतु आवेदन प्रस्तुत किये हैं ।</p> <p>अंचल अधिकारी ,कुर्था अपने जाँच पत्रांक- 580 दिनांक- 19/ 7/ 12 से जो प्रीतवेदन समीपित किये हैं उसमें उल्लेख किया गया है कि जाँच में मशीन बन्द पाया । एवं प्रयाग साव उपोम विभाग द्वारा जाँच कर अनुज्ञापित जारी किया गया है ।</p> <p style="text-align: right;"></p>	

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
	<p style="text-align: center;">-3-</p> <p>अतः उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि प्रथम पक्ष द्वारा जो यह वाद लाया गया है वह बिल्कुल निराधार है क्योंकि विपक्षी द्वारा लगाया गया आटा चक्की का मशीन जिला उद्योग विभाग द्वारा जांचोपरान्त ही अनुज्ञापित जारी किया गया है। और अंचल अधिकारी, दुर्गा द्वारा जांच भी किया गया तो मशीन बन्द पाया गया। ऐसी स्थिति में वाद का संभालन का कोई औचित्य नहीं है।</p> <p>अतः वाद की कार्यवाही समाप्त किया जाता है। आदेश से निवृत्त अधिकारी को अवगत करावे।</p> <p>लेखापत एवं संशोधित    अनु० दण्डाधिकारी, अरवल।</p> <p>   अनुमण्डल दण्डाधिकारी, अरवल।</p>	<p style="text-align: right;">22/4/13 दिनांक 22/4/13</p> <p style="text-align: right;">दिनांक 22/4/13</p> <p style="text-align: right;">दिनांक 22/4/13</p>